DAINIK JAGRAN, Delhi, 6.8.2018
Page No. 16, Size:(11.87)cms X (13.56)cms.

अफवाह फैलाकर आधार की छवि खराब करने की कोशिश

नई दिल्ली, प्रेट्र : गूगल की असावधानी से आधार की छवि को नुकसान होने की आशंका पैदा हुई। इससे तरह-तरह की अफवाहें फैलीं लेकिन किसी भी फोन से जानकारियां चोरी नहीं हुई हैं। उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। आधार के लिए नया हेल्पलाइन नंबर 1947 पहले की तरह काम कर रहा है।

यह बात यूनिक आइडेंटिटी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआइडीएआइ) ने कही है। कहा कि अफवाहें फैलाकर आधार की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। ऐसा गूगल की असावधानी वाली हरकत से हुआ। उसने बिना पुष्टि के आधार का पुराना हेल्पलाइन नंबर 18003001947 मोबाइल की कांटैक्ट लिस्ट में डाल दिया। गूगल की इस हरकत से उपभोक्ता सकते में आ गए और देश में अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। यूआइडीएआइ ने इस असावधानी से फायदा उठाने की कोशिश करने वालों की कड़ी निंदा की है। पिछले हफ्ते शुक्रवार को फ्रांस के एक सुरक्षा विशेषज्ञ ने आधार को बुरे सपने जैसा बताया था। उसी ने ट्वीट कर मोबाइल फोन की कांटैक्ट लिस्ट में आधार संचालित करने वाली संस्था यूआइडीएआइ का हेल्पलाइन नंबर आने की बात बताई। इसके बाद उपभोक्ताओं में भय व्याप्त हो गया। उन्हें लगा कि इस तरह से उनकी निजी जानकारियां खतरे में पड़ गई हैं । मामले पर यूआइडीएआइ ने सफाई दी तो देर रात गूगल ने इसे अपनी असावधानी माना और उपभोक्ताओं से माफी मांगी। गूगल ने पुराना और चलन से बाहर हो चुका हेल्पलाइन नंबर एंड्रॉएड प्लेटफॉर्म पर चलने वाले मोबाइल फोन की कांटैक्ट लिस्ट में डाल दिया था।